(2) कोयला रख-रखाव संयंत्रों में पत्थर तथा कंकड़ के टुकड़ों को उठाए जाने के लिए धीमी चलने वाली पिकिंग बैल्ट्स की व्यवस्था करना ।

(3) साइडिंग पर कोयले का पर्याप्त मात्रा में स्टाक का अनुरक्षण करना ताकि लदान से पूर्व कंकड़ तथा पत्थर को चुनने के कार्य का सुनिश्चय किया जा सके ।

(4) गुणवत्ता नियंत्रण को बनाए रखने के लिए बेहतर पर्यवेक्षण का सुनिश्चिय करना, और लदान साइडिंग पर कार्यरत कामगारों, पर्यवेक्षकों, अधिकारियों में गुणवत्ता संबंधी जागरूकता विकसित करना ।

**Production target of Coal India Limited during 1992-93**

1179. SHRI RAM NARESH YADAV : Will the Minister of COAL be pleased to state :

(a) what is the target of production of coal of Coal India Limited for the year 1992-93; and

(b) and in what manner the target will be achieved indicating the details thereof ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF COAL (SHRI S. B. NYAMAGOUDA) : (a) The Planning Commission has fixed the coal production target for Coal India Limited for the year 1992-93 at 210.00 million tonnes.

(b) The target of 210.00 million tonnes is proposed to be achieved from production from existing mines, on-going projects and new projects; the break-up of which is as under :-

| | Production (in million tonnes) |
|---|---|
| Existing mines . . . | 128.85 |
| On-going projects . . . | 73.58 |
| New Projects . . . | 7.57 |
| TOTAL : | 210.00 |

93-L/J(D)29RSS—8

**Period of stay in Delhi by Official of C.I.L.**

1180. SHRI HARVENDRA SINGH HANSPAL : Will the Minister of COAL be pleased to state :

(a) the details of the officials of Coal India Limited posted in Delhi;

(b) the tenure of their stay in Delhi;

(c) whether some officials of Coal India Limited are posted in Delhi for the last more than one decade;

(d) whether the norms for transferring such officials are not followed strictly by the Coal India Ltd.; and

(e) if so, the reasons therefor and by when the officials also who have been completed more than 5 years in Delhi would be posted in other cities ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF COAL (SHRI S. B. NYAMAGOUDA) : (a) to (e) Information is being collected and will be laid on the Table of the House.

**कोल इंडिया लिमिटेड के अधीन भूमिगत परियोजनाओं द्वारा कोयले का उत्पादन**

1181. **श्री राम जेठमलानी :**

**सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :**

क्या **कोयला** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान दिनांक 3 अप्रैल, 1992 के 'फाइनेंशियल एक्सप्रेस' में "इन सर्च आफ क्वालिटी कोल" शीर्षक से प्रकाशित समाचार की ओर गया है;

(ख) यदि हां, तो क्या यह सच है कि उत्तम गुणवत्ता वाले कोयले का उत्पादन करने के लिए कोल इंडिया लिमिटेड ने 161 भूमिगत परियोजनाओं को चालू करने की स्वीकृति ले ली है;

(ग) यदि हां, तो इन परियोजनाओं पर उत्पादन कार्य किस तारीख से प्रारंभ किया जाएगा तथा इन नई परियोजनाओं से उत्तम गुणवत्ता वाले कोयले की कितनी मात्रा प्राप्त होने का

अनुमान है, एवं इन परियोजनाओं को चालू करने में कितना लागत मूल्य आने का अनुमान है; और

(घ) इन परियोजनाओं से कोयले का उत्पादन शुरु हो जाने के बाद देश में उत्तम गुणवत्ता का कोयला कितनी मात्रा में प्रति वर्ष उपलब्ध हो जाने की संभावना है ?

**कोयला मंत्रालय में उप मंत्री (श्री एस० बी० नयमेगौड़ा)** : (क) जी, हां ।

(ख) से (घ) भूमिगत खानों के लिए 167 परियोजनाएं (जिनकी प्रत्येक की लागत 2 करोड़ रु० अथवा इससे अधिक की है) में 3,467.53 करोड़ रु० का पूंजीगत परिव्यय अन्तर्ग्रस्त है जिसको कोल इंडिया लि० की विभिन्न सहायक कंपनियों का विकास किए जाने की मंजूरी दी गई है । इनमें से अभी तक 60 परियोजनाओं को क्रियान्वित कर दिया गया है और यह परियोजनाएं कोयले का उत्पादन कर रही हैं । 107 बकाया परियोजनाएं क्रियान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं । इन परियोजनाओं से कोयले का उत्पादन में निर्माण की प्रतीक्षा अवधि को देखते हुए इसमें धीरे-धीरे वृद्धि होगी । कोल इंडिया लि० में अकोककर कोयले के उच्च ग्रेडों ("ए" से "डी" ग्रेड) के उत्पादन में 83 मिलियन टन के वर्तमान स्तर से 1996-97 तक 95 मिलियन टन तक की वृद्धि हो जाने की संभावना है ।

**Import of Coking Coal**

1182. SHRI CHIMANBHAI MEHTA :
SHRIMATI MIRA DAS :
SHRI SOM PAL :
SHRI RAMSINH RATHWA :
SHRI SARADA MOHANTY :

Will the Minister of COAL be pleased to state :

(a) whether it is a fact that coal production has increased in 1991-92 and profit is made against losses, if so, the details and the reasons for increased production of coal and profit earned;

(b) what is the quantum of coking coal being produced in the country;

(c) the quantum of coking coal being imported, the countries from which it is being imported and at what price; and

(d) what is the total foreign exchange spent on import of coal ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF COAL (SHRI S. B. NYAMAGOUDA) : (a) The production of coal in the country has increased from 211.73 m.t. in 1990-91 to 229.29 m.t. (provisional) in 1991-92.

The accounts of Coal India Limited and Singareni Collieries Company Limited for the year 1991-92 have not been finalised so far to indicate the profit made or loss incurred during the year.

The reasons for increased production of coal are sustained programme of investment and greater thrust on application of modern technologies.

(b) The production of coking coal during 1991-92 (provisional) is as under :—

| | |
|---|---|
| (i) Metallurgical . | . 24.74 mt |
| (ii) Non-metallurgical . | . 21.54 mt |
| TOTAL : | 46.28 mt. |

(c) and (d) According to available information steel plants imported approx. 5.7 million tonnes of coking coal during 1990-91 from Australia, former USSR, Poland New Zealand etc. Average FOB price of these imports for various plants during 1990-91 varied between US $ 52.15 to US $ 66.90. The cost of these imports by steel plants is reported to be around Rs. 705 crores during 1990-91.